जुड़ना । बांटना । सन्लग्न । पूछना । खोजना । अनुभव । प्रयोग

कदम

Step-Up Programme

मूलभूत शिक्षण का निर्माण

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

सशक्त । अभिव्यक्त । चर्चा । सहयोग । समझना । कारण । निर्माण । सीखना । अविष्कार

कदम स्टेप-अप प्रोग्राम

-संक्षिप्त विवरण

'कदम स्टेप-अप' कार्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालय स्तर के बच्चों की शैक्षणिक दक्षता का निर्माण करना और उनका समग्र विकास करना है। यह उनके जीवन की गुणवत्ता को सुधारने का कार्य करता है, जिससे वे अपनी आयु के अनुरूप विद्यालय में समेकित होने के लिए बुनियादी शिक्षा प्राप्त कर सकें।

'कदम स्टेप-अप' एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें बच्चे सप्ताह में छह दिन मग्न होकर अध्ययन करते हैं। औपचारिक शिक्षा से जीवन की वास्तविकताओं और अनुभव आधारित कौशलों का समावेश करके इस कार्यक्रम का निर्माण किया गया है।

अवधारणा

- यह कार्यक्रम विषय-आधारित दक्षताओं और सामाजिक दक्षताओं के विकास हेतु जीवन के अनुभवों व थीम-आधारित अध्ययन का एक मिश्रण है।
- दोनों ज्ञान क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए कार्यक्रम को स्टेप्स (Steps) व थीम-आधारित अध्ययन से सुसज्जित किया गया है।
- दोनों घटक एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों समवर्ती रुप से वितरित किए गए हैं।
- समस्त कार्यक्रम 10 स्टेप्स पर आधारित है जिसमें चार विषयों - हिन्दी, गणित, पर्यावरण अध्ययन और अंग्रेज़ी की 450 दक्षताएँ समाहित हैं और साथ ही थीम-आधारित शिक्षण के तहत कार्यक्रम में प्रत्येक माह का विशेष थीम शीर्षक होता है। स्टेप्स व थीम-आधारित शिक्षण को एन.सी.ई.आर.टी. के द्वारा जारी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2022 की रुपरेखा के अनुरुप ढाला गया है।

मार्गदर्शक सिद्धांत

- बाल उन्मुख, परिणाम-आधारित अधिगम
- गतिविधि-आधारित अधिगम प्रक्रिया
- शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास
- शिक्षार्थी में सामर्थ्य व आत्मनिर्भरता का निर्माण
- शिक्षण को सुस्पष्ट बनाना

कार्यक्रम की रूपरेखा

शिक्षण का नमूना :

औपचारिक अध्ययन

10 प्रगतिशील स्टेप्स

एक स्टेप्स से दूसरे स्टेप्स की तरफ़ बढ़ने की बच्चे की स्वयं की गति

बुनियादी शिक्षण: भाषाएँ, गणित व पर्यावरण अध्ययन

सप्ताह के 5 दिन व माह के तीन सप्ताहों में अभ्यास

थीम आधारित अध्ययन

11 महीनों की 11 थीम

थीम को 4 सप्ताह के लिए विस्तृत किया जाता है

प्रत्येक थीम कार्यक्रम में निहित कौशल निर्माण घटकों का निर्माण करता है

गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार को व माह के अंतिम पूरे सप्ताह में की जाती हैं

हमारा दृष्टिकोण

बच्चों के विभिन्न आयुवर्ग और सीखने के स्तरों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक विद्यालय स्तर के आधारभूत कौशलों को 10 स्टेप्स में व्यवस्थित किया गया है। 2-स्टेप्स मिलकर एक शैक्षणिक वर्ष को पूर्ण करते हैं। इस प्रकार 10-स्टेप्स में प्राथमिक पाठशाला के 1 से 5 शैक्षणिक वर्ष पूर्ण होते हैं।

10-स्टेप्स भाषाओं, गणित व पर्यावरण अध्ययन में विकसित की जाने वाली प्रगतिशील दक्षताओं की व्यवस्था है। जब बच्चा एक स्टेप के सीखने के स्तर को प्राप्त कर लेता है, तो वह अगले स्टेप में प्रगति करता है।

स्टेप्स	कक्षा का पाठ्यक्रम	कक्षा हेतु अर्हता
1	1	2
2		
3	2	3
4		
5	3	4
6		
7	4	5
8		
9	5	6
10		

प्रत्येक बच्चें से सभी 10 स्टेप्स को उत्तीर्ण करने की अपेक्षा नहीं की जाती।

कोई बच्चा अपनी आयु से अधिक योग्यता या क्षमता प्रदर्शित करता है तो उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कक्षा 1-5 तक के पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है।

बच्चे के लिए प्रवेश बिंदु उसके द्वारा दिए गए बेसलाइन मूल्यांकन पर निर्भर करता है।

बच्चे की उम्र अनुसार उसका निकासी बिंदु निर्धारित किया जाता है। उसे आवश्यक निर्धारित स्टेप्स को अर्जित करना होता है।

2-स्टेप्स का एक सैट एक कक्षा स्तर को पार करने में सक्षम करता है।

थीम आधारित अध्ययन:

थीम आधारित अध्ययन जीवन निर्माण कौशलों को संबोधित करता है तथा निम्नलिखित दृष्टिकोण और व्यवहार के निर्माण करने का अवसर प्रदान करता है:

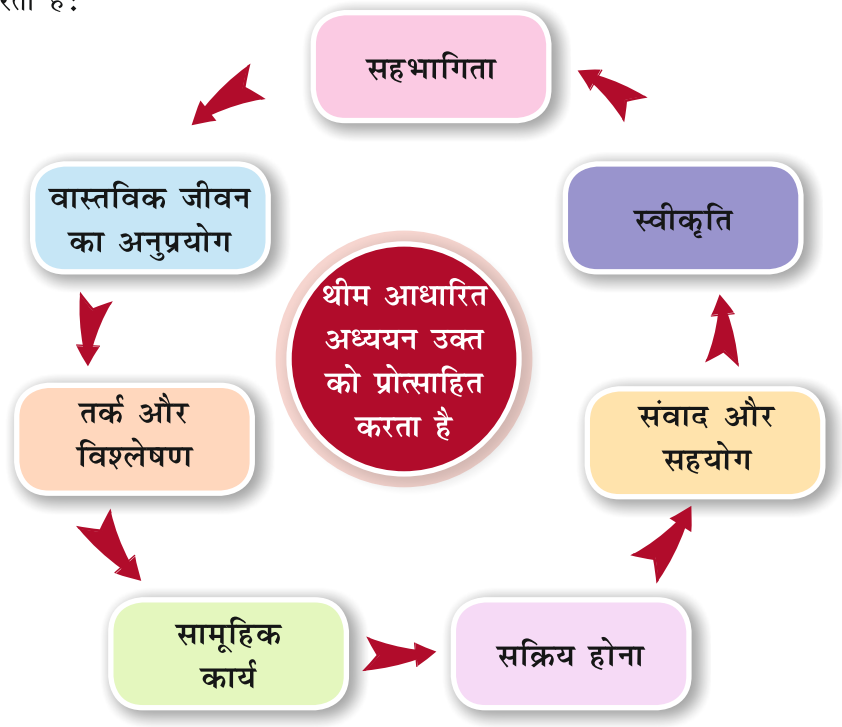

थीम-आधारित और विषय-आधारित अध्ययन को सम्मिश्रित करने की प्रणाली/उपकरण:

- सीखी गई अवधारणाओं को आकार देना- मॉडल, उपकरण और संरचनाएँ, कला और शिल्प की वस्तुएँ, खेल आदि द्वारा विषयों की अवधारणाओं को दोहराना।
- समुदाय से जुड़ना- समुदाय के लोगों से मिलकर अनुभवों का लाभ लेना, उनसे सीखना, साक्षात्कार करके जानकारी एकत्रित करना, समुदाय के हित के लिए योजना बनाकर उसे कार्यान्वित करना।
- प्रकृति-आधारित शिक्षा- प्रकृति हमारी सबसे अच्छी पुस्तक व शिक्षक भी है। जब हम कक्षा से निकलकर प्रकृति के बीच में जाते हैं तब हमें विज्ञान, गणित और भाषा का ज्ञान भी मिलता है।
- खेलकूद व अन्य गतिविधियाँ- बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके आत्मविश्वास, आत्मसम्मान व मानसिक चेतना में वृद्धि करके बच्चों का समग्र विकास करती हैं।
- पुस्तकों से अतिरिक्त शिक्षा- संगीत एवं नृत्य, कथानक और नाटक प्रस्तुति।

कार्यक्रम की संरचना

प्रत्येक सप्ताह के प्रथम 5 दिन बच्चे पुस्तक के माध्यम से भाषा, गणित और पर्यावरण अध्ययन संबंधित कौशलों का विकास करते हैं। शिक्षण के इस भाग में 10-स्टेप्स की सहायता से बच्चे औपचारिक शिक्षा व्यवस्था के पहली से पाँचवी कक्षा वर्ग के ज्ञान के सम्बंध में अपनी प्रगति को आँक सकते हैं। बच्चों की पुस्तक में दी गई मेरी चेकलिस्ट (Meri Checklist) स्वयं को परखने में एक सहायक उपकरण है।

मासिक कार्यक्रम कैलेंडर

दिन / सप्ताह	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सप्ताह-1	■	■	■	■	■	■
सप्ताह-2	■	■	■	■	■	■
सप्ताह-3	■	■	■	■	■	■
सप्ताह-4	■	■	■	■	■	■

■ औपचारिक शिक्षा ■ थीम आधारित अध्ययन ■ बाल दिवस

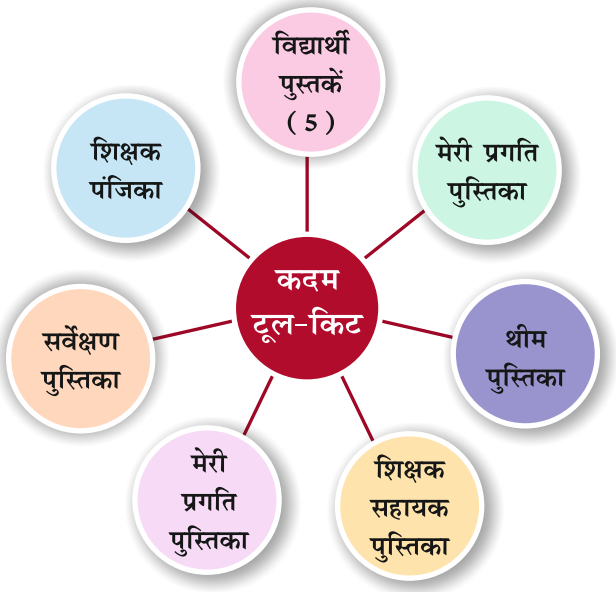

शिक्षण की प्रक्रिया:

उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण:
- सभी हितधारकों को कार्यक्रम का उन्मुखीकरण
- शिक्षकों को प्रशिक्षण
  - o प्रारंभिक, व्यापक
  - o निरंतर, रिफ्रेशर

बेसलाइन मूल्यांकन:
- बच्चों के प्रारंभिक ज्ञान के स्तर को जाँचने के लिए
- बच्चों को कदम कार्यक्रम के उचित स्टेप्स (Step) में शामिल करने के लिए

त्वरित व प्रगतिशील शिक्षण:
- प्रत्येक स्टेप्स में कार्य आधारित शिक्षण
- प्रगतिशील स्टेप्स कक्षानुसार दक्षताओं को पूरा करता है

निरन्तर मूल्यांकन:
- बच्चे स्वयं मूल्यांकन करते हैं
  - मेरी चेकलिस्ट
  - मेरी प्रगति प्रदर्शिका (टी.एम.पी. कार्ड) के द्वारा
- बच्चों का आंकलन प्रत्येक कक्षा स्तर पूर्ण करने के बाद किया जाता है
- एम.आई.एस. (M.I.S.) कार्यक्रम के दौरान बच्चे की प्रगति को जाँचने का कार्य करता है

एण्डलाइन मूल्यांकन:
- बच्चे का अंतिम शिक्षण स्तर जाँचने के लिए
- कार्यक्रम की प्रभावशीलता जानने के लिए

दाखिला उपरांत रिटेंशन जाँच:
- बच्चों को स्कूलों में दाखिला होने के उपरान्त रिटेंशन के लिए मासिक जाँच की व्यवस्था की जाती है

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ

स्वगति, बहुकक्षीय शिक्षण: 'कदम' कार्यक्रम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि बच्चे को बहुकक्षा स्तर का शैक्षणिक माहौल मिल सके व बच्चा एक स्टेप से अगले स्टेप की तरफ सीखता हुआ चले। चूँकि एक ही कक्षा मे विभिन्न स्तर के बच्चे होते हैं कार्यक्रम उनको अपने तरीके से सीखने की आज़ादी प्रदान करता है। कक्षा में विभिन्न प्रकार के बच्चे होते हैं, जैसे–कुछ कुशाग्र बुद्धि वाले, कुछ मध्यम गति वाले, कुछ बच्चे वे जो कक्षा में नियमित होते हैं और कुछ नहीं, कुछ बच्चे विषय को सटीकता से समझ लेते हैं और कुछ बच्चों को अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है। इसलिए 'कदम' कार्यक्रम में स्वगति और बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था है।

दक्षता आधारित सीखने की प्रक्रिया

कक्षा में तिकड़ियाँ (ट्रियो)

तिकड़ियाँ (ट्रियो): स्वगति और बहु-स्तरीय का प्रभावी ढंग से प्रबंध करने के लिये, कक्षा में बच्चों को तिकड़ियों में समूहित किया जाता है अर्थात् तीन बच्चों का एक समूह बनाया जाता है। तिकड़ी बनाते समय सावधानी बरती जाती है कि तिकड़ी के सदस्य विभिन्न शिक्षण स्तरों पर हों। आपसी सहयोग और सहकर्मी शिक्षण बच्चों के व्यक्तिगत विकास में बड़ी भूमिका निभाते हैं क्योंकि इस तरह के तत्व उन्हें न केवल सामाजिक रूप से व्यावहारिक बनाते हैं बल्कि एक-दूसरे के समर्थन से जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं।

निरंतर शैक्षिक माहौल का निर्माण: जहाँ तिकड़ी व्यवस्था कक्षा में सहकर्मी शिक्षण को बढ़ावा देती है, वहीं 'कदम' कार्यक्रम कक्षा में सकारात्मक व अनवरत शैक्षणिक माहौल का निर्माण करता है। एक तिकड़ी में व्यक्तिगत छात्र बदलते रहते हैं क्योंकि छात्र आयु अनुसार दक्षताओं को प्राप्त करते हैं और अंततः अपना आयु-उपयुक्त शिक्षण स्तर प्राप्त कर लेते हैं। जैसे-जैसे यह प्रक्रिया जारी रहती है, अन्य बच्चे तिकड़ी को पूरा करने के लिए शामिल होते हैं और शिक्षण प्रक्रिया अनवरत रूप से चलती रहती है अर्थात् निरंतर शैक्षणिक माहौल बना रहता है।

गतिमान सहकर्मी शिक्षण

बच्चे स्वयं की प्रगति का आंकलन करते हैं

बाल संचालित अधिगम प्रक्रिया: 'कदम' कार्यक्रम में बच्चे स्वयं अपने शिक्षण अधिगम का मार्गदर्शन करने में सक्षम होते हैं। अधिगम प्रक्रिया का अनुक्रम सरल है। छात्र पुस्तिका मे प्रयास से पहले बच्चा मेरी चेकलिस्ट में दी गई दक्षताओं को तय करता है कि उसे क्या करना है और उसके बाद उससे सम्बंधित अभ्यास को करता है। जब एक बार इससे संबंधित सभी अभ्यास पूरे हो जाते हैं तब वे मेरी चेकलिस्ट में वापस जाकर किए गए कार्यों के सामने तारीख अंकित करता है व इस प्रकार स्वयं का मूल्यांकन करता है। बच्चों के स्वयं मूल्यांकन करने का एक और उपकरण ट्रेकिंग ऑवर प्रोग्रेस (ToP) चार्ट होता है। जब बच्चा कार्यक्रम में जुड़ता है तब इस चार्ट पर अंकित कर दिया जाता है कि बच्चे का स्तर व प्रगति क्या है और बच्चा कार्यक्रम पूरा कब कर पाएगा।

शिक्षक एक संप्रेरक और सह-संरचनाकार के रूप में: कदम कार्यक्रम मे शिक्षक की भूमिका एक परंपरागत शिक्षक से बिल्कुल भिन्न है। कदम में शिक्षक सह-संरचनाकार व मार्गदर्शक के रूप में भूमिका निभाते हुए बच्चों पर अपने विचार ना थोपकर उनकी शंकाओं का समाधान करता है व बच्चों को अवसर प्रदान करता है जिससे वो पता लगा सकें, खोज कर सकें, अनुभव व प्रयोग करने में रुचिकर भूमिका निभा सकें। इसी प्रकार कदम शिक्षक कक्षा में शैक्षणिक माहौल व गतिविधि के द्वारा बच्चों को शिक्षण कौशल हासिल करने में मदद करता है।

शिक्षक थीम शिक्षण का सहनिर्माता है

बाल दिवस पर उत्पादों का प्रदर्शन

बाल दिवस: बाल दिवस प्रत्येक माह के अंत में मासिक थीम के शीर्षक अनुसार अर्जित ज्ञान की जाँच व प्रदर्शन हेतु आयोजित किया जाता है। इस दिन अभिभावक व समुदाय के अन्य लोगों को आमंत्रित किया जाता है। बाल दिवस बच्चों द्वारा मनाया जाने वाला दिवस है जिसमें वो उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों व उनकी प्रतिभा को अपने अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। बाल दिवस अभिभावकों व समुदाय के लोगों को पाठशाला संबंधित गतिविधियों में भागीदारी कर उनको शामिल करने का कार्य भी करता है।

समग्र शिक्षण: कार्यक्रम थीम-आधारित शिक्षण के माध्यम से संज्ञानात्मक कौशलों में वृद्धि के साथ-साथ बच्चों में सामाजिक, भावनात्मक और जीवन के वास्तविक कौशलों में वृद्धि करता है। समुदाय के साथ जुड़ना और सामाजिक संपर्क के माध्यम से अनुभव प्राप्त करने से बच्चों में ज्ञान वृद्धि होती है। थीम दिवस, छात्र प्रतिस्पर्धा, शिक्षक अभिभावक बैठक और बाल दिवस ऐसे आयोजन हैं जो बच्चों को समुदाय के लोगों से जोड़ते हैं। किताबों से हटकर शिक्षण-गायन और सुनना, चित्रांकन व रंगकारी, निर्माण करना, पटकथा लिखना व नाटक प्रस्तुत करना आदि कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जो विद्यार्थी को अधिक सक्रिय बनाकर समग्र विकास की तरफ अग्रसर करती हैं।

शिक्षण कक्षा की दीवारों के बाहर भी होता है

विद्यालय में दाखिला उपरांत बच्चों की रिटेंशन (Retention) को जाँचना: कदम कार्यक्रम का एक विशेष घटक औपचारिक शिक्षा प्रणाली में बच्चों की रिटेंशन को जांचना है। बच्चों का आयु अनुसार शिक्षण स्तर प्राप्त करने और प्राथमिक विद्यालय में एकीकृत करने के पश्चात, 'कदम शिक्षक' / ईवी (Education Volunteer) प्रत्येक माह, विद्यालय में बच्चे की प्रगति की जाँच करते हैं। विशेष रूप से एक उचित ट्रैकिंग प्रणाली और रिर्पोटिंग तंत्र 'मेरी प्रगति पुस्तक' का आवश्यक हिस्सा हैं। जहाँ प्रत्येक विद्यालय में एकीकृत बच्चे की जानकारी रखी जाती है जोकि विद्यालयों मे ड्रॉप-आउट (Drop-out) दर की जाँच करने में रिटेंशन पर नज़र रखने में प्रभावी होती है।

आवश्यकता आधारित अनुकूलन: 'कदम' कार्यक्रम बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए आधारभूत शैक्षिक कौशलों को मज़बूती देता है उसी के साथ इसका मापक ढांचा कदम के तत्वों और उपकरणों का प्रयोग करने की अधिकतम स्वतंत्रता भी देता है जिसे शिक्षा व्यवस्था में जरुरत के आधार पर प्रयोग किया जा सके। अत: कदम कार्यक्रम का क्रियान्वयन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विशेष प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) में विद्यालय से बाहर बच्चों (चाहे वे विद्यालय छोड़ चुके हों या जिन्होनें कभी विद्यालय में दाखिला ना लिया हो) की शैक्षणिक और सामाजिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित बच्चों की आधारभूत सीखने की क्षमताओं को विकसित करने के लिए भी किया जाता है ताकि वे अपनी आयु के अनुसार उपयुक्त सीखने के स्तर तक पहुँच सकें।

परिचालन की रुपरेखा

'कदम' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत में प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा मिलनी चाहिए। भारत जैसे विख्यात और विविधता वाले देश में यह लक्ष्य सबसे बड़ी विद्यालय श्रृंखला (सरकारी प्राथमिक विद्यालयों) का समर्थन करके प्राप्त किया जा सकता है।

'ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया' ने राष्ट्रीय व राज्यस्तर की नीतियों और पाठ्यक्रम मानकों के अनुरूप ही शिक्षण उपकरण और संचालन मॉडलों के आधार पर संरचित किया है। इस प्रकार यह कक्षाओं में कार्यक्रम के क्रियान्वयन को सुलभ बनाता है।

राष्ट्रीय नीतियों के साथ मिलान:

'कदम' मॉडल को शिक्षा का अधिकार अधिनियम आर.टी.ई. (RTE) के मापदण्डों के अनुरूप बनाया गया है ताकि हर बच्चे को नि:शुल्क व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। यह सुनिश्चित करने के लिए कि 'कदम' आधारित परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले विद्यालय से बाहर बच्चों को नियमित विद्यालयों के बच्चों के समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले, 'कदम' के शिक्षण उपकरण राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) (NCERT) के अनुरूप डिज़ाइन किए गए हैं और संचालन मॉडल समग्र शिक्षा अभियान के बजट और संचालन मानकों के अनुरूप बनाए गए हैं।

सरकार के साथ सहभागिता:

'कदम' की दार्शनिकता व दृष्टिकोण सरकारी विद्यालयों व समाज के हितधारकों की भूमिका को मान्यता और महत्व प्रदान करता है जिससे आर०टी०ई० के दृष्टिकोण को सुनिश्चित किया जा सके। इसलिए 'ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया' राज्य सरकार (शिक्षा विभाग के राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों और सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय) के साथ साझेदारी में कार्य करता है।

'ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया' विभिन्न राज्य सरकारों को सह क्रियान्वयकर्ता के रुप में शामिल करके (सभी प्रक्रियाएँ और गतिविधियाँ मुख्य रूप से सरकारी प्राथमिक विद्यालय के कर्मचारी द्वारा की जाती है) और सहनिवेशक (राज्य, पाठशाला स्तर की सभी लागतों में वितपोषण हेतु निवेश करता है, जिसमें कदम कार्यक्रम में सीखने के उपकरण (टूल-किट)) के रूप में शामिल किया जाता है। 'ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया' की मुख्य भूमिका एक सूत्रधार की है, जो तकनीकी व परिचालन में सहयोग प्रदान करता है।

लचीला अभिगृहण:

'कदम' लर्निंग टूल्स (जो अगले खंड में वर्णित हैं) को मॉडयूलर ढंग से डिजाइन किया गया है जो विभिन्न स्थितियों में लगातार अपनाने/अनुकूलन की अनुमति देता है। 'कदम' को राज्य सरकारें सरकारी स्कूलों में 'ऑउट-ऑफ-स्कूल' (OoSC) के शिक्षण में नामांकन करने और शिक्षा की कमी को पूरा करने के लक्ष्य के तहत अपना सकती हैं। यह स्कूलों में भी अपनाया जा सकता है जहाँ बच्चों की अरुचिकर, अप्रभावी शिक्षण के कारण स्कूलों से छूटने की संभावना होती है। यह नियमित कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा Remedial शिक्षण के रूप में भी अपनाया जा सकता है। प्रोग्राम के दक्षता-आधारित दृष्टिकोण ने इसे बहु-वर्गीय कक्षा के सेटअप में शिक्षा परिणामों को बढ़ाने में सक्षम बनाया है। इसके अलावा, कदम उच्चतर ग्रेडों में प्रगतिशील शिक्षा की सुनिश्चितता के लिए बच्चों के लिए एक मज़बूत एवं मूलभूत प्लेटफार्म प्रदान करता है।

संभावना कार्यक्रम एक माध्यमिक शिक्षा उन्नति कार्यक्रम है जो ऑउट-ऑफ-स्कूल (OoSC) बच्चों के लिए और साथ ही साथ औपचारिक स्कूलों में सीखने में अंतराल वाले बच्चों के लिए होता है और यह 'कदम' के मूलभूत शिक्षा पर आधारित है जो प्रगतिशील शिक्षा के लिए मज़बूत आधार प्रदान करता है।

सीखने के उपकरण

विद्यार्थियों की पुस्तकें:

यह 5-पुस्तकों का एक संग्रह है जिसकी प्रत्येक पुस्तक में 2-स्टेप्स के सीखने की सामग्री है। इन पुस्तकों में दी गई व्याख्या और अभ्यास स्वसंचालित सीखने के विचार का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई है। यह स्वतंत्र रूप से सीखने के महत्वपूर्ण परिणामों के साथ सीखने की प्रक्रिया में उत्सुकता और रुचि उत्पन्न करता है। विभिन्न प्रकार के मित्रवत कार्य, सोच आधारित गतिविधियाँ, सीखी गई अवधारणाओं और सीखने का वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग इत्यादि इन पुस्तकों में शामिल है।

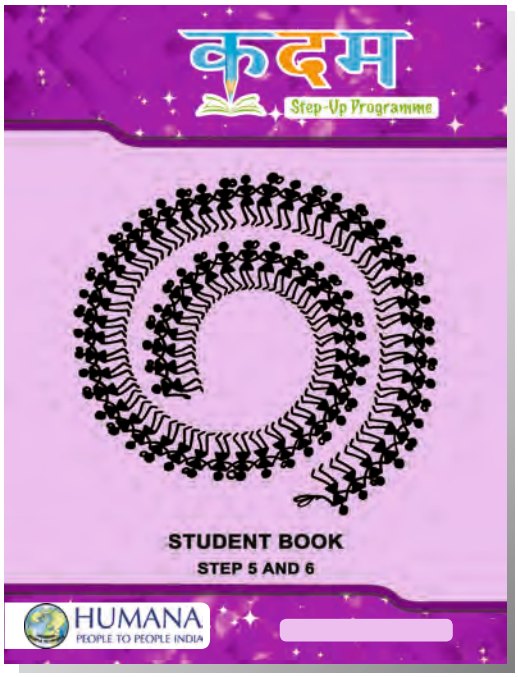

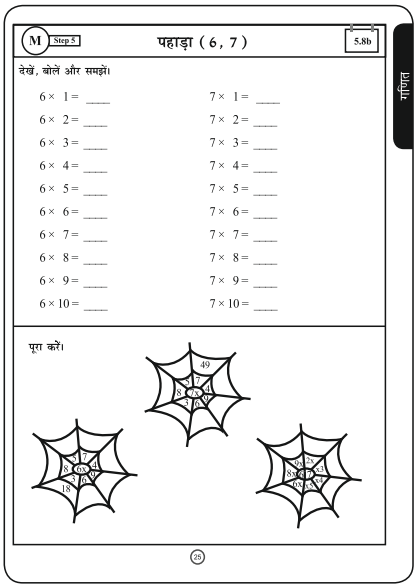

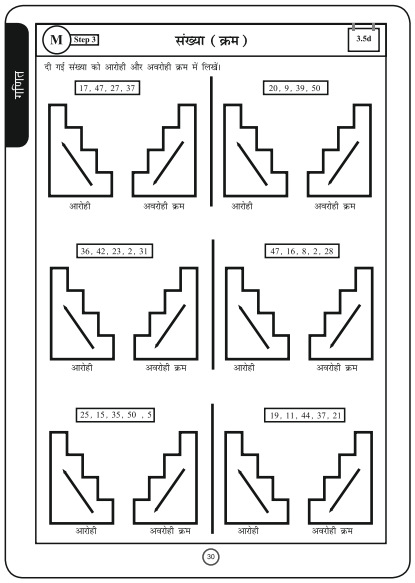

मेरी चेकलिस्ट:

यह प्रत्येक विषय के लिए चरणवार दक्षताओं की विस्तृत सूची है, जो एक प्रगतिशील शिक्षण मार्गदर्शिका और चेकलिस्ट के रूप में कार्य करती है। चारों विषयों को उपलब्धि संकेतकों में विभाजित किया गया है, जिन्हें 'फीट्स' के रूप में जाना जाता है। ये 'फीट्स' वे दक्षताएँ हैं जो बच्चे की संबंधित स्टेप्स में सीखने को प्रमाणित करती हैं।

यह एक ऐसा संचरित उपकरण है जो बच्चे को उसके वांछित सीखने की दिशा में प्रगति करने में मदद करता है और शिक्षक को बच्चे के 'फीट्स' हासिल करने की निगरानी में मदद देता है। जिससे शिक्षक पहचान सकें कि बच्चे को कहाँ पर सहयोग व समर्थन की आवश्यकता है।

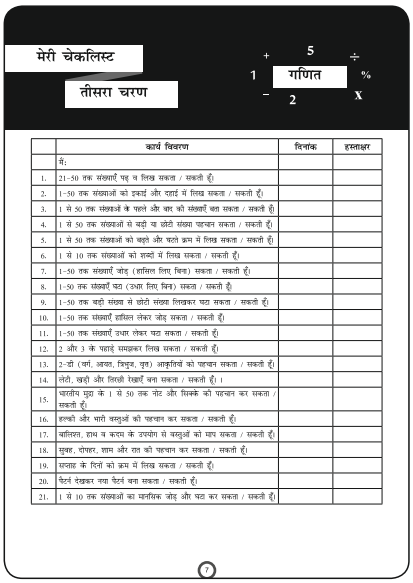

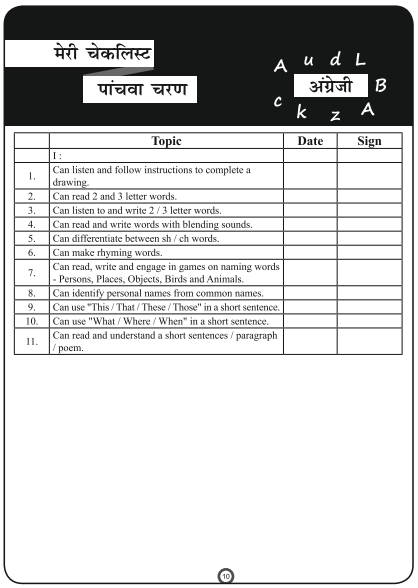

थीम पुस्तिका:

11 थीम के संग्रह को थीम हेडलाइंस (Theme Headlines) के रूप में थीम पुस्तिका में समेकित किया गया है। कार्यक्रम में निहित थीम बच्चों को दिल और दिमाग, देश और दुनिया, कला और भौतिक दुनिया, संख्या और भाषाएँ इत्यादि के बारे में सिखाने में सहायक है।

यह बच्चों के क्षितिज को विस्तारित करने और महीने की प्रमुख थीम पर आधारित अनुभव उत्पन्न करने में सहायता करती है। ना केवल किताबी ज्ञान बल्कि उससे बढ़कर यह बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित करती है और उन्हें व्यावहारिक जीवन के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

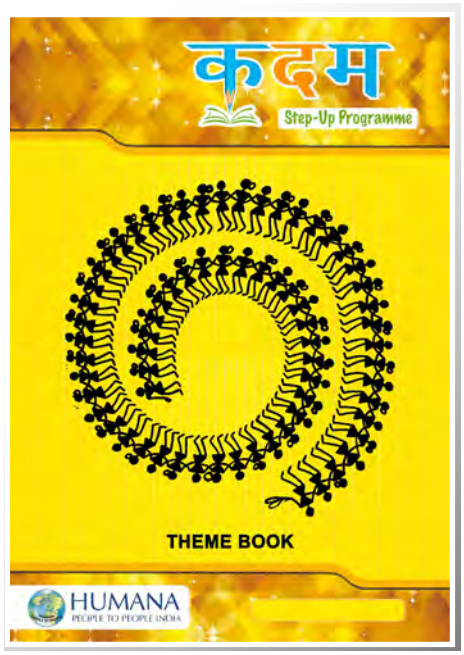

विषय–सूची

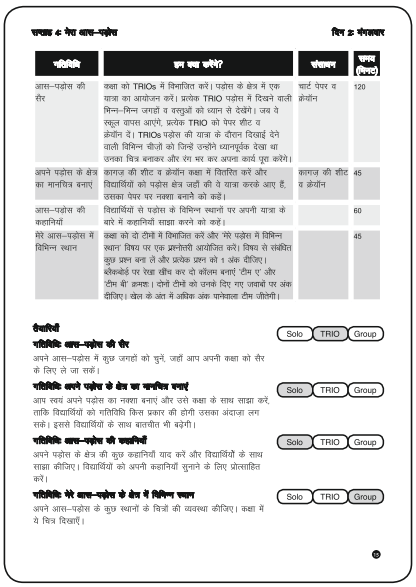

शिक्षक पुस्तिका:

शिक्षकों के लिए शिक्षण को सक्रिय, समावेशी और सार्थक बनाने में सहायता करने के लिए एक सहायक शिक्षण को सक्रिय, समावेशी और सार्थक बनाने में सहायता करने के लिए एक सहायक उपकरण है।
शिक्षक पुस्तिका 'कदम' कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र और कार्यप्रणाली में शिक्षकों की मदद और समर्थन करती है।

02 कदम कार्यक्रम क्या है?

08 कक्षा में कदम कार्यक्रम का उपयोग कैसे करें?

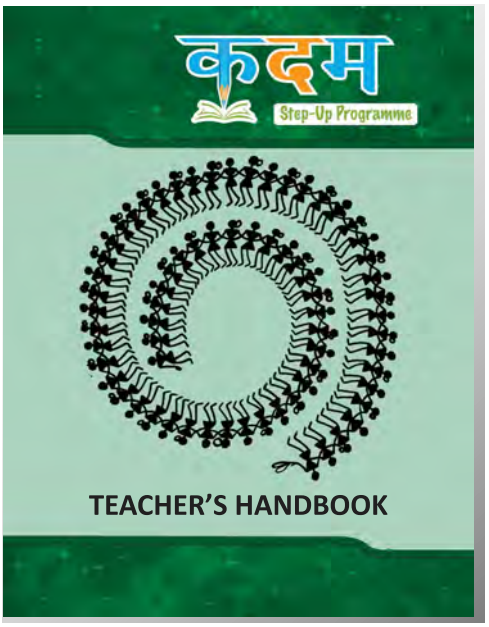

मेरी प्रगति पुस्तिका:

यह एक समेकित पुस्तक है जिसमें सभी मूल्यांकन जैसे-बेसलाइन मूल्यांकन, ग्रेड एंड स्तर मूल्यांकन और एंडलाइन मूल्यांकन आदि शामिल हैं।

इस पुस्तक में बच्चे के नामांकन का विवरण भी है। पुस्तक के अंत में एक समेकित रिपोर्ट होती है जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत से कार्यक्रम के अंत तक बच्चे के शिक्षण व प्रगति की जानकारी अंकित की जाती है। बच्चे की रिटेंशन रिपोर्ट पुस्तक के अंत में उपलब्ध है।

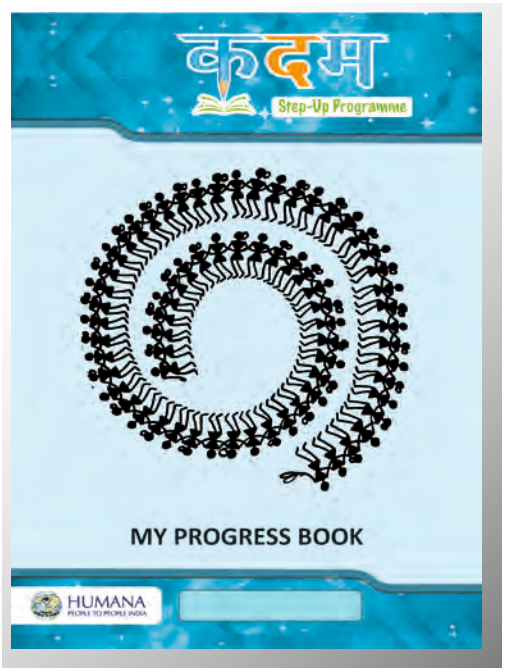

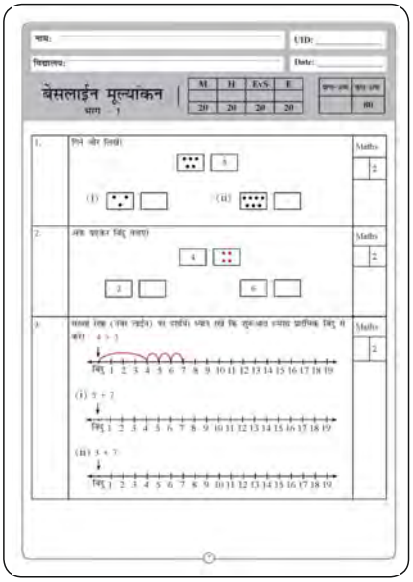

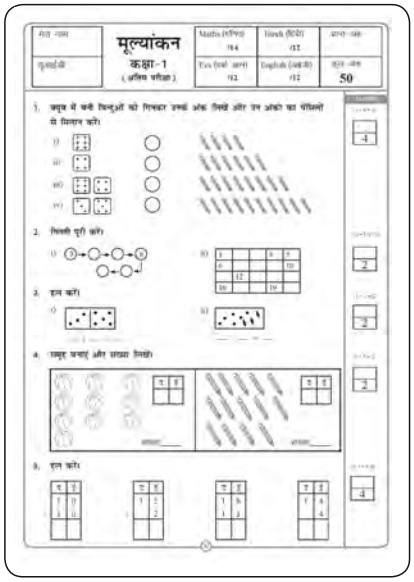

विभिन्न मूल्यांकन:

- **बेसलाइन मूल्यांकन**

  यह एक ऐसा उपकरण है जिसे शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत में बच्चों के योग्यता स्तर को मापने और रिकॉर्ड रखने के काम में लिया जाता है। यह बच्चे के कदम कार्यक्रम में शुरूआत करने के स्तर को जाँचने के लिए भी उपयोग में लाया जाता है।

- **ग्रेड एंड स्तर मूल्यांकन**

  यह ग्रेड के अंत में बच्चों का मूल्यांकन करने के लिए एक परीक्षण है जिसे ग्रेड स्तर के अनुसार दो स्टेप्स के बाद आयोजित किया जाता है और यह तुरंत प्रतिक्रिया प्रदान करने में सहायक है। इसके माध्यम से वे दक्षताएँ पहचानी जा सकती हैं, जिनमे बच्चे को पुन: कार्य की आवश्यकता है।

- **एंडलाइन मूल्यांकन**

  यह कार्यक्रम के अंत में आयोजित किया जाने वाला परीक्षण है। यह परीक्षण, कार्यक्रम पूरा होने के बाद छात्र द्वारा शिक्षण स्तर के एक संकेतक के रूप में कार्य करता है। एंडलाइन मूल्यांकन, बेसलाइन टूल के समानांतर है और छात्र के कार्यक्रम की शुरूआत के समय से वर्तमान प्रगति की लगभग सटीक तुलना करने में मदद करता है।

ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया

'ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया' एक विकासकर्ता संगठन है जो कि शहरी व ग्रामीण इलाकों के वंचित व शोषित वर्ग के लोगों के समग्र विकास के लिए कार्यरत है। यह संगठन शिक्षा, जीवन कौशल, आजीविका सुधार, स्वास्थ्य और स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित, समन्वित, रणनीतिक दृष्टिकोण के माध्यम से सामाजिक विकास और गरीबी उन्मूलन पर कार्य करने के लिए समर्पित है।

हमारा कार्यक्षेत्र

	* स्कूलों से वंचित बच्चों के लिए 'कदम'	* स्कूलों में नामांकित बच्चों के लिए 'कदम'
	उन बच्चों की संख्या जिन्होंने कार्यक्रम पूरा कर लिया है और नियमित कक्षाओं में शामिल हो गए हैं (2016 से)	उन बच्चों की संख्या जिन्होंने कार्यक्रम पूरा कर लिया है और अपने सीखने के अंतराल को कम कर दिया है (2016 से)
हरियाणा	132,047	6,448
महाराष्ट्र	7,945	37,638
राजस्थान	191	-
दिल्ली	315	-
उत्तर प्रदेश	43,107	131,560
छत्तीसगढ़	15,836	15,859
उत्तराखण्ड	93	-
जम्मू और कश्मीर	152	-
मध्यप्रदेश	2,043	31,917
झारखण्ड	-	2,363
बिहार	2,383	43,972
योग	**204,112**	**269,757**

* फरवरी, 2026

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

111/9-Z, Kishangarh, Vasant Kunj, New Delhi - 110070
Tel: 011-47462222 E-mail: info@humana-india.org
www.humana-india.org